Contents

विषयानुक्रमणिका

		पृष्ठ
	श्रीमद्विजयानंद सुरीश्वरजी म.सा.का. मालाबंद चित्र प्राक्कथन (आंतर-दर्पण-दर्शन) पू. गुरुदेवके आशीर्वचन-पत्र	१ से ५
पर्व-१.	जैनधर्म एवं भ. महावीरकी परम्परामें श्री आत्मानंदजी म.का. स्थान मंगलाचरण-जैनधर्म परिचय-जैनधर्मके पर्यायवाची अन्य नाम- जैनधर्मकी शाश्वतताका स्वरूप-ऐतिहासिक परम्परा-भ.महावीरका शासन-भ.महावीरकी शिष्य पट्टावलि-निष्कर्ष	१ से ४७
पर्व-२.	श्री आत्मानंदजी महाराजजीका जीवन तथ्य	४८ से ८६
पर्व-३.	श्री आत्मानंदजी म.के व्यक्तित्वका मूल्यांकन-ज्योतिष चक्रके परिवेशमें मंगलाचरण-प्रस्ताविक-विशिष्ट परिचयकी रूपरेखा- श्रीमद् आत्मानंदजी म.की जन्मकुडली और जीवन घटनाओंका मूल्यांकन- तत्कालीन गोचर ग्रहोंका जीवनके विविध प्रसंगो एवं व्यवहार पर असर- संन्यास योग-निष्कर्ष	८७ से १२४
पर्व-४.	श्री आत्मानंदजी महाराजजीकी अक्षर देहका परिचय मंगलाचरण-प्रस्ताविक-गद्यसाहित्य ग्रन्थोंका संक्षिप्त सारांश- पद्य साहित्य-रचनाओंका परिचय	१२६ से १९४
पर्व-५.	श्री आत्मानंदजी महाराजजीका गद्य साहित्य- मंगलाचरण-प्रस्ताविक-तत्कालीन परिस्थितियाँ- विविध परिस्थिति अवलम्बित विविध रचना शैलीका परिचय- पूर्वाचार्योंके प्रति द्रढ आस्था- और एकनिष्ठ भक्ति-कृतियोंमें ऐतिहासिकता-कृतियोंमें निर्भीक सत्य प्ररूपणायें-भाषा शैली- भाषा प्रकाराधारित व्याकरणिक परिमार्जन- भाषा संरचना प्रविधि- भाषाकी सरलता-प्रथम जैन हिन्दी लेखक-	१९५ से २२९
पर्व-६.	श्री आत्मानंदजी महाराजजीका पद्य साहित्य मंगलाचरण-काव्य शैलियाँ-जैन काव्य शैली स्वरूप-कोमल, ऋजु, नग्र, हृदयतंत्रीके त्रिताल-कलात्मकता, भावात्मकता, दार्शनिकताके पुट निदर्शन,- काव्यमें अभिव्यंजना शिल्प-अलंकार, प्रतीक विधान, बिम्ब विधान, ध्वन्यात्मकता, छंद विधान, शब्द चयन- रसोपलब्धि-राग रागिनियोंसे नवाजित अमर काव्य देहका वैभविक वर्णन-निष्कर्ष-	२३० से २८३
पर्व-७.	श्री आत्मानंदजी महाराजजीके साहित्यका विश्वस्तरीय प्रभाव मंगलाचरण-प्रस्ताविक-आचार्यश्रीका मिशन-जैन समाज (जगत) पर ऋण ऐतिहासिकता पर सर्चलाइट-निष्कर्ष-	२८३ से ३१२
पर्व-८.	श्री आत्मानंदजी म.की महान विभूतियोंसे तुलना मंगलाचरण-प्रस्ताविक-सूरि पुरंदर श्री हरिभद्रजी म.सा , महामहोपाध्याय श्रीमद् यशोविजयजी म.सा., अध्यात्म योगी श्री आनंद घनजी म.सा., श्री चिदानदजी म.सा., श्री रामभक्त सत तुलसीदासजी, आर्य समाज संस्थापक महर्षि दयानंदजी और साहित्यिक युग प्रवर्तक भारतेन्दु हरिश्चंद्रजीसे तुलना- पर्वकी परिसमाप्ति	३१३ से ३५१
पर्व-९	उपसंहार	३५२ से ३५९
परिशिष्ट- १	जैन धर्मके पारिभाषिक शब्द	१ से ५
२	आधार ग्रंथोकी सूचि	६
३	सहायक (संदर्भ) ग्रन्थों एवं लेख सूचि	७ से १२
५	पाद टिप्पण	१३ से २५